THE DEPUTY CHAIRMAN; I am aware of a directive of the Government thet both husband and wife should be posted in the same place. But it is not being implemented. The Government should look into it and see that it is implemented properly.

हमारे महिलाओं के विषय में जो मंत्री यहां बैठे हैं, मैं उनसे प्रार्थना करूंगी कि आप जरा सरकार का ध्यान इस तरफ दिलायें।

श्री विश्वासराव रामराव पाटिल : सिविल एविएशन में तो एक लड़की एक वर्ष से उसको. . . **(व्यवधान)**

उपसभापति : सिविल एविएशन है, या जो भी मंत्रालय हो, जहां पर इस तरह की कोई समस्या हो, आप उस पर ध्यान रखें।

श्री **अश्विनी कुमार** (बिहार) : यह जो कानून है— It is followed m ore in its breach than in its observance. अधिकांश केसेज ऐसे आते हैं, लिखते-लिखते हम लोग थक जाते हैं।

Plight of Indians in the Gulf countries.

श्री **छोटूभाई पटेल** (गुजरात) : उपसभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार तक अपनी दिल और दिमाग की भावनाओं को पहुंचाना चाहता हूं।

मैंने कई दिन पहले प्रधान मंत्री को लैटर भी लिखा था। उसका जवाब आज तक मुझे नहीं मिला है। मैं यह बात कहने जा रहा हूं कि गल्फ कंट्रीज में जो हमारे भारतीयों की दुर्दशा है, इसके बारे में मैं कई दिनों से यहां सुनता हूं और टी.वी. में भी देखता हूं, इस बात में दम जरूर है, मगर वह सत्य से दूर है।

हमारे भारत के करीबन 1 लाख 85 हजार लोग वहां कुवैत और इराक में रहते हैं। अब तक राउंडअबाउट 5 प्रतिशत लोग ही हिंदुस्तान में आ सके हैं।

मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि सब कनसंन्ड मिनिस्ट्रीज को एक कंप्रीहैंसिव प्रोग्राम बनाना चाहिए। अब जो प्रोग्राम बना हुआ है, वह ठीक ढंग से नहीं बना हुआ है। इसलिए ठोस कदम उठाने के लिए कनसंर्ड मिनिस्ट्री को एक कंप्रीहैंसिव प्रोग्राम बनाने के लिए मैं सरकार का ध्यान आपके माध्यम से दिलाना चाहता हूं।

मैडम, कई दिनों से हिंदुस्तान के कई स्टेट्स में, जहां-जहां से लोग मिडल ईस्ट गये हैं, गल्फ कंट्रीज में गये हैं, वहां के लोगों को सही इनफर्मेशन नहीं मिल रही है। हरेक स्टेट में जो रीजनल आफिसज हैं, वहां लोग आते हैं, जाते हैं, पर सही जवाब नहीं मिलता है।

इसलिए अभी-अभी दो तीन दिनों में कई स्टेट्स ने इनफर्मेशन के लिए कुछ कदम उठाये हैं। गुजरात में हमारे स्टेट होम मिनिस्टर जो हैं, वह कल मिडल ईस्ट गये हैं, आंध्र ने कुछ किया है, केरल ने कुछ किया है, कई स्टेट्स इसके बारे में कुछ करने जा रही हैं।

केरल के 55 हजार से भी ज्यादा लोग वहां मिडल ईस्ट में रह रहे हैं। गुजरात के भी 25 हजार से ज्यादा लोग मिलड ईस्ट में रह रहे हैं।

उपसभापति : आज पांच बजे मिनिस्टर साहब स्टेटमेंट करेंगे। मुझे यकीन है कि आपकी बात. . . **(व्यवधान)**

श्री **छोटूभाई पेटल,** : मेडम, मैं भी यह जानता हूं कि आज यहां स्टेटमेंट होने वाला है। इसके बारे में कई बातें होंगी। मगर जो सत्य है, वह अलग बात है। मैं आपके माध्यम से यहां यह फोटोग्राफ दे रहा हूं, जो 'सैड फेसज आफ दी कनसंर्ड फैमिलीज' दिखा रही है।

सूरत में जो कोस्टल एरियाज़ में लोग हैं, जो वहां दस-पन्द्रह गांव के लोग हैं, नवसारी कोस्टल एरिया के लोग हैं, जामनगर, जूनागढ़, राजकोट के जितने लोग हैं, वहां की फैमिलीज को कोई इनफर्मेशन नहीं मिल रही है ।

मैं आपके माध्यम से सरकार को सुझाव देना चाहता हूं कि हरेक स्टेट के कामगारों के बारे में, वर्कर्ज के बारे में, जो स्किल्ड और अनस्किल्ड लेबर गये हैं, इनके बारे में ठोस कदम उठाना चाहिये, सही इनफर्मेशन फैमिलीज को मिलनी चाहिये । अब तक क्योंकि इनफर्मेशन नहीं मिल रही है, इसलिये सूरत में रविवार को एक बहुत बड़ा जुलूस निकला और जिला कलेक्टर को एक मेमोरेंडम दिया ।

उपसभापति : मैं समझ गई हूं । अब आप समाप्त कीजिये ।

श्री छोटूभाई पटेल : मैडम, आप हमारी भावनाओं को समझें (**समय की घंटी**) वहां किसी का पोता रहता है, किसी का पिता रहता है, किसी का सुहाग रहता है तो किसी की सुहागिन रहती है, किसी का लाल और किसी का बाल रहता है, मगर जो भावनायें हैं, जो दिल की धड़कन है, यह दिलों की धड़कन को पहुंचाने के लिये आपके माध्यम से मैं सरकार को कहना चाहता हूं कि एक लाख 85 हजार लोग वहां रहते हैं, वर्कर्ज रहते हैं, इनमें से पांच प्रतिशत लोग भी यहां नहीं आ चुके हैं ।

उपसभापति : मैं आपको एक बात... (**व्यवधान**) एक मिनट (**व्यवधान**)

श्री छोटूभाई पटेल : सिर्फ चार उड़ानें (**व्यवधान**)

उपसभापति : एक मिनट, प्लीज, जस्ट ए मिनट । डेढ़ लाख आदमी रहते हैं । डेढ़ लाख आदमियों की, कल टेलीविजन पर यह बात आई है... (**व्यवधान**) आप एक मिनट मेरी बात सुनिये, आपकी भावनाओं को मैं समझ रही हूं । आप जरा सुनिये, टेलीविजन पर कल बताया, गुजराल साहब को बताया, जो वह कुवैत में उन्होंने लोगों से कहा कि डेढ़ लाख आदमी एक दिन में या पांच दिन में या एक हफ्ते में नहीं आ सकते, धीरे-धीरे आयेंगे । इसलिये आप कृपया अपने तरीके से उनको धीरज रखवाइये और आप बैठ जाइये ।

श्री छोटूभाई पटेल : वह ठीक बात है पर, वहां की जो दुर्दशा है वह सरकार जो... (**व्यवधान**) उससे बहुत दूर है, मैडम । इसके बारे में सरकार... (**व्यवधान**)

उपसभापति : सरकार आज पांच बजे बयान दे रही है ।

श्री छोटूभाई पटेल : भारतीय लोगों की भावनाओं को सरकार समझे और गुजरात के बारे में, अभी बहुत कम लोग आ चुके हैं ।

उपसभापति : आपको मालूम है, आप रोजाना पत्र पढ़ते हैं, आप टी.वी. देखते हैं, आपने देखा है कि इस देश के फारेन मिनिस्टर सिर्फ तन्हा, वाहिद हैं, जो कंट्रीज में जहां यह लड़ाई है, वहां गये हैं । इसलिये आपकी भावनाओं से सब सहमत हैं, मगर जो मुश्किल है वह आपको भी मालूम है, इसलिये आप बैठ जाइये.. (**व्यवधान**)

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे (गुजरात): हमारे कच्छ के भी लोग वहां कुवैत में हैं, दे आर लुटेड, मैडम, इसलिये मैं भी अपने को इससे संबद्ध करता हूं ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not making it a debate. I would request Members to have restraint and not to make allegations. You are riot very

आपने अपनी आंखों से कुछ

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे : हमारे गांव के मेरे बाजू में रहने वाले 8 परिवार हैं वे लूटे गये हैं, इसलिये मुझे करेक्ट इन्फर्मेशन है।

उपसभापति : ठीक है, आपको सही जानकारी अगर है तो जब मंत्री जी आज बोलेंगे, आपके सामने बात बतायेंगे, तब कहना। अभी इस मामले को खत्म करें।

Alleged Genocide of Tamils in Sri Lanka

SHRI YASHWANT SINHA (Bihar) : Madam Deputy Chairman, I would like to draw the attention of this House and the people at large to the very serious situation which prevails in Sri Lanka. For ten weeks now, the militants in Sri Lanka and the. Srilankan Armed Forces have been locked in a moral combat. This was a situation which could have been anticipated after the with-drawal of the Indian Peace Keeping Forci: from that country. The situation has developed along predictable lines. But apart from that, the matter which is of serious concern to people like me and I am sure, to other Members of this House and to the people at large in this country is the large number of civilian casualties which are taking place in Sri Lanka day in and day out. Thousands of civilians have been killed in Sri Lanka in this internecine warfare which has been going on for the last ten years. There is bombing also on civilian targets which has been done by the Sri Lankan forces. This is a situation which is a veritable genocide of the Tamilian ethnic population in Sri Lanka.

- Another very dangerous situation which has arisen in Sri Lanka is that for the first time it is taking a communal turn. The Tamils have been divided on religious lines. The Muslims and the non-Muslims are also indulging in large-scale rioting as a result of which large-scale civilian casualties are taking place.

It is my information that this is also a part of the design of the Sri Lankan Government to see that people are divided along communal lines. If this be so, then I will say that this eraatts a very dangerous situation. *(Time bell rings)*

It appears to me that after the withdrawal of the Indian Peace Keeping Forci: from Sri Lanka, the Government of India has become extremely indifferent to the goings-on in Sri Lanka. I am raising this matter particularly to draw the attention of the Government to the fact that despite all the problems that it has. at home and abroad, Sri Lanka is a major problem with which this country is concerned. It is involved emotionally, politically and in every other way. Therefore, the Government must act in this matter. It cannot remain a spectator. The Government of India must act in the case of Sri Lanka and bring about an end to the hostilities in Sri. Lanka so that this genocide stops. *(Time bill rings)* Whatever influence we have—moral, political, military or of any other kind—must be used so that the Sri Lankan Government sees reason and the militants, namely the LTTE for which I hold no brief, also see reason so that peace is restored and the killing of innocent population in Sri Lanka is stopped forthwith. Thank you. Madam.

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry) : Madam, I associate myself with this Special Mention.*

THE DEPUTY CHAIRMAN : I know you acssociate and that has been recorded. That is all. What is the point in asking for a Special Mention when everybody gets up and makes a speech ? I am not permitting you. I have to adjourn the Housi for lunch. I am not permitting you. It will not go on record. *(Interruptions)* You have associated and it has gone on record. Nothing else will go on record. *(Interruptions)* Sit down. Don't argue everyday.

*Not recorded